started late from Howrah in the month of April, 1967.

(b) the reasons for such late departure; and

(c) whether there is some improvement in the month of May, 1967, in any way?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) to (c). No. 8 Up Howrah-Puri Express left Howrah late on 6 and 7 days during April and May 1967 respectively mainly due to late arrival of the train rake from Santragachi Yard owing to operational factors and for 83 Up Howrah-Ranchi Express ahead. Every endeavour is being made to ensure right time departure of this train from Howrah.

विद्युत चालित करघों के लिये लाइसेंस देना

2778. **श्री मरजू पाण्डेय :**
श्री इसहाक सम्भली :

क्या वाणिज्य मंत्री 4 मार्च, 1966 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1681 के उत्तर के सम्बन्ध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विद्युत-चालित करघों के लिये लाइसेंस प्राप्त करने के लिए जो 94 आवेदन-पत्र उत्तर प्रदेश मे लाइसेंस देने वाले अधिकारियों के समक्ष अनिर्णीत पड़े थे उन मे से कितने आवेदन-पत्रो पर इस बीच निर्णय कर दिया गया है; और

(ख) यदि कोई निर्णय नही किया गया है तो विलम्ब के क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री लक्ष्मी कुरैशी) : (क) और (ख). 4 मार्च, 1966 को पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या 1681 के उत्तर में निर्दिष्ट 94 आवेदन-पत्र उत्तर प्रदेश में बने शक्ति-चालित करघों की स्थापना के लिये थे। चौथी पंचवर्षीय योजना में शक्ति-चालित करघों की स्थापना का विषय राज्य योजना के अन्तर्गत है अतः राज्यों द्वारा आवेदकों को राज्य कोटे से शक्ति-चालित करघे अलाट करने होते हैं। राज्य सरकार से करघों का अलाटमेंट लेने के बाद ही सम्बन्धित पार्टियों को आवश्यक परमिट लेने के लिये वस्त्र आयुक्त को निवेदन करना पड़ता है।

गोरखपुर और बाराबंकी के बीच रेलवे लाइन

2779. **श्री मरजू पाण्डेय :**
श्री इसहाक सम्भली :

क्या रेलवे मंत्री 29 जुलाई, 1966 के अतारांकित प्रश्न संख्या 734 के उत्तर के सम्बन्ध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गोरखपुर-बाराबंकी मुख्य लाइन के निर्माण के बारे मे किया जा रहा सर्वेक्षण इस बीच पूरा हो गया है; और

(ख) यदि हा, तो उक्त योजना के कब तक क्रियान्वित किये जाने की सभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चं० मु० पुनाचा) : (क) गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी मीटर लाइन खण्ड को बड़ी लाइन मे बदलने के सम्बन्ध में प्रारम्भिक अध्ययन पूरे हो चुके हैं और यातायात परिबोध रिपोर्ट की जांच की जा चुकी है। इस अध्ययन के फलस्वरूप गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी मीटर लाइन खण्ड को बड़ी लाइन में बदलने का प्रस्ताव अलाभप्रद पाया गया है। इसलिए फिलहाल इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया है।

(ख) सवाल नहीं उठता।